नवोदय टाईम्स
Fri Ja
Subscribe Clip Page No < Page 7 of 16 >
SONY
NEW TRILUMINOS DISPLAY
The most colourful cricket experience
10 more publicati...

संस्कृत के लिए युवा आगे आएं:मल्होत्रा

नई दिल्ली, 29 जनवरी (ब्यूरो) : दिल्ली विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले नरेंद्रनाथ चौधरी व्याख्यान में इस वर्ष संयुक्त राज्य अमेरिका के राजीव मल्होत्रा का व्याख्यान आयोजित किया गया। इसका विषय था, संस्कृताध्ययन में उभरता अमरीकी ओरियण्टलवाद। इस दौरान मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी रहे।

डॉ.सुब्रह्मण्यम स्वामी ने अंग्रेजों द्वारा फैलाये गए द्रविड आर्य विवाद की असारता को स्पष्ट किया। संस्कृत अध्ययन की संवैधानिकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने भारत की अखण्डता के लिए संस्कृत की आवश्यकता बतायी। इसके अतिरिक्त नासा और कृत्रिम कम्प्यूटर भाषा के विकास के लिए संस्कृत और भी महत्वपूर्ण हो गई है। प्राचीन काल में अविच्छिन्न रूप से चली आ रही भारतीय संस्कृति का आधार स्त्रोत होने के कारण भी संस्कृत भाषा महत्वपूर्ण है। मुख्यवक्ता डॉ.राजीव मल्होत्रा ने कहाकि प्रो.शेल्डान पोलाक आदि तथाकथित संस्कृत प्रेमी संस्कृत की नकारात्मक व शोषक छवि को बलपूर्वक प्रचारित करना चाहते है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वह हजारों की संख्या में आगे आकर तर्क पूर्वक उपर्युक्त लोगों से शास्त्रार्थ करे सके, ताकि जनसामान्य उनके कुचक्रों से अवगत करा सके। विभाग की वरिष्ठ प्रो.दीप्ति त्रिपाठी ने भिन्न -भिन्न विभागों में संस्कृत पर आधारित वैज्ञानिक सामग्री का एक प्रश्नपत्र के रूप में पढ़ने का सुझाव दिया। सहाचार्या मीरा द्विवेदी ने सभी वक्ताओं, श्रोताओं और आयोजकों का औपचारिक धन्यवाद किया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)